REFERENCE TO THE IMPLEMENTATION OF KAMLAPATI TRIPATHI COMMITTEE REPORT ON LEVY OF ADDITIONAL EXCISE DUTY ON CERTAIN CONSUMER ITEMS .

श्री सत्य प्रकाश मालवीय (उत्तर प्रदेश) : माननीय उपसभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से इस माननीय सदन का और केन्द्रीय सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं । 15 फरवरी, 1981 को मुख्य मंत्रियों का एक सम्मेलन हुआ और इस सम्मेलन में जो प्रस्ताव पारित हुआ उसके आधार पर केन्द्रीय सरकार ने बिक्री कर के स्थान पर एक्साइज ड्यूटी लगाने के लिए एक कमेटी बनाई जिसके अध्यक्ष मोहनलाल जी सुखाड़िया नियुक्त हुए । उसके बाद, सुखाड़िया जी की मृत्यु हो गई और उस कमेटी के अध्यक्ष पंडित कमलापति त्रिपाठी बनाए गए जो सत्ताधारी दल के कार्यकारी अध्यक्ष भी हैं और इस कमेटी ने विचार विमर्श के बाद एक्सपर्ट्स की राय लेने के बाद बयान लेने के बाद 29 जनवरी, 1983 को एक रिपोर्ट दी कि वनस्पति, दवाइयां, कागज, पेपरबोर्ड और अन्य पेट्रोलियम पदार्थों पर से बिक्री कर हटा कर के अतिरिक्त एक्साइज ड्यूटी लगाई जाए । माननीय, सवा साल हो गया है इस कमेटी की रिपोर्ट को आए हुए । यह बहुत दुख का विषय है कि अपनी ही पार्टी के जो अध्यक्ष हैं पंडित कमलापति त्रिपाठी जी उनकी जो रिपोर्ट है उनकी संस्तुतियों को लागू करने में सरकार ठीक उसी प्रकार से हीलाहवाली कर रही है जैसे हीलाहवाली मंडल आयोग की सिफारिशों को लागू करने में कर रही है ।

श्री उपसभापति : आप बिला वजह बहस कर रहे हैं । आप राज्य सरकारों को क्यों नहीं कहते हैं ।

श्री सत्य प्रकाश मालवीय : माननीय, मेरा अनुरोध है कि कमलापति त्रिपाठी जी ने जो रिपोर्ट दी है उसकी जो संस्तुतियां हैं सरकार को उसको लागू करना चाहिये । इस विषय को ले कर के आज सारे देश में हड़ताल है । माननीय, बनारस में भी हड़ताल है, दिल्ली में भी हड़ताल है । आपके माध्यम से मेरा निवेदन है कि केन्द्रीय सरकार इस पर...

श्री उपसभापति : राज्य सरकारों से भी कहिये **(व्यवधान)**

श्री सत्य प्रकाश मालवीय : माननीय, राज्य सरकारें कोई बाहर नहीं है **(व्यवधान)** सारे देश में उपभोक्ता आज हड़ताल कर रहे हैं । आपके माध्यम से मेरा केन्द्रीय सरकार से अनुरोध है कि वह स्पष्ट घोषणा करे कि किस दिन से पंडित कमलापति त्रिपाठी कमेटी की रिपोर्ट को लागू करेंगे ।

श्री जे० के० जैन (मध्य प्रदेश) : श्रीमन्, मैं एक अन्य मामले पर...

श्री उपसभापति : आप कोई अन्य मामला न उठाइये ।

श्री जे० के० जैन : नहीं सर, बड़ा इम्पोर्टेंट मामला है ।

श्री उपसभापति : आपने परमिशन नहीं ली है भाई साहब । आपने परमिशन ली होती तो मैं आपको... **(व्यवधान)**

श्री जे० के० जैन : देखिये, मैं आपसे कहना चाहता हूं कि आंध्र प्रदेश के मुख्य मंत्री ने गवर्नर के ऊपर जिस प्रकार से आक्षेप लगाया है **(व्यवधान)** नहीं सर, मुझे कहने दीजिये एक मिनट यह परम्परा होती जा रही है, इसके ऊपर आपको... **(व्यवधान)** वाइस चांसलर के ऊपर... **(व्यवधान)**

श्री बो० सत्यनारायण रेड्डी : (आंध्र प्रदेश): चीफ मिनिस्टर ने कोई इल्जाम नहीं लगाया है। ... (व्यवधान)

SHRI PARVATHANENI UPENDRA (Andhra Pradesh): No, Sir. He should not be allowed like that. Has he given any notice? Please expunge it.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: That is not permitted.

SHRI PARVATHANENI UPENDRA: No, Mr. Deputy Chiarman, if it goes on record, I want to clarify the position on behalf of the Chief Minister. Is it going on record?

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I am not permitting it.

SHRI PARVATHANENI UPENDRA: If the Governor has kept the file for five months... (*Interruptions*). It is on that the Chief Minister has made the comment and he is within his right to make the comment.

THE GOVERNMENT OF UNION TERRITORIES (AMENDMENT) BILL, 1984

MR. DEPUTY CHAIRMAN: We will now take up the Bill for consideration and passing. I will request that the Bill may be passed before lunch. Then we will take up Punjab after lunch.

SHRI LAL K. ADVANI (Madhya Pradesh): Mr. Deputy Chairman Sir, may I submit that yesterday we were under the impression that there will be a full-fledged discussion on Punjab. It is therefore that the opposition agreed to forego its right of seeking clarifications, which has been the tradition of this House, immediately after the statement is made. But suddenly we find this morning that in the list of business, Punjab it not to be taken up immediately after the Quesetion Hour and, that, after Question Hour there is some other legislative business, even after that, there is no formal debate and Member are to seek clarifications on the statement made by the Home Minister. So my submission is that in future...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: We shall discuss party-wise and Members will be called .....

SHRI LAL K. ADVANI: There is no question seeking clarifications. It has to be full-fledged discussion. (*Interruptions*).

SHRI M. KALYANASUNDARAM (Tamil Nadu): Sir, this Bill is not so urgent.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: It is an urgent Bill.

SHRI M. KALYANASUNDARAM: Let us first take up the Punjab issue for a full-fledged discussion. Then, if there is time, we shall sit after 6 p.m. for taking up that Bill.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: There is the time allotted for a discussion on Punjab.

SHRI M. KALYANASUNDARAM: That means we are not attaching seriousness to Punjab.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Three hours have been allotted for Punjab discussion. This Bill will take only half an hour.

SHRI M. KALYANASUNDARAM: If you are so firm, we are helpless.

SHRI LAL K. ADVANI: I am not in favour of changing the list of business. But I would submit that it should not have been done particularly when yesterday it was agreed by all of us, the opposition as well as the Chair, that immediately after the Question Hour this will be the first thing that will be taken up.

SHRI M. KALYANASUNDARAM: If the Chair goes back on its solemn assurance, it would be a different thing.

SHRI PARVATHANENI UPENDRA (Andhra Pradesh): It was said that immediately after the Question Hour this discussion would be taken up.